केवल अनुपस्थित परीक्षार्थीओं के लिए : केवल 'बारकोड' अंकित यही एकमात्र पृष्ठ नीचे दी गई रेखा से काटकर पत्रक - A तथा पत्रक - B के साथ वापस भेजना है ।

सत्संग शिक्षण परीक्षा

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था, शाहीबाग, अहमदाबाद - ३८०००४.

सत्संग प्रवेश - १

रविवार, १ मार्च, २००९ **समय : सुबह ९.०० से ११.१५** **कुल गुण : ७५**

स्वामिनारायण
BAPS

अनुपस्थित परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका का केवल यही पृष्ठ वापस भेजना है ।

☞ **परीक्षार्थी के नाम सम्बंधित विवरण के साथ 'बारकोड' अंकित किया गया है । कृपया उस पर किसी प्रकार का नुक़सान मत किजिए ।**

अनिवार्य : निम्न लिखित सूचना की परीक्षार्थी को अपने आप पूर्ति करनी है

परीक्षार्थी का जन्म दिन दिनांक ☐☐ महिना ☐☐ वर्ष ☐☐☐☐

परीक्षार्थी का अभ्यास .....

परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका पर अंकित नाम सहित अनिवार्य विवरण की सत्यता की जाँच करने के पश्चात् वर्ग निरिक्षक हस्ताक्षर करें ।

वर्ग निरिक्षक के हस्ताक्षर .....

☞ **पीछे दी गई सूचनाओं का अवश्य पालन करें ।**

परीक्षक के हस्ताक्षर

.....

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	१ (१२)	
	२ (६)	
	३ (५)	
	४ (५)	
	५ (५)	
	६ (४)	
विभाग-१, कुल गुण		

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	७ (१२)	
	८ (६)	
	९ (५)	
	१० (५)	
विभाग-२, कुल गुण		

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	११ (१०)	
विभाग-३, कुल गुण		

મોડરેશન વિભાગ માટે જ

ગુણ શબ્દોમાં . . . . . .

ચેકર - નામ

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-१	

प्रवेश-१

विभाग - १ : नीलकंठ चरित्र

प्र. १ निम्नलिखित विधान कौन, किसको और कब कहता है यह लिखिए । (कुल गुण : १२)

१. ''भगवन् ! बहुत प्रतीक्षा करवाई !''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

..... गुण : ३

२. ''तुम्हारी देह तब तक मैं सँभालूँगा ।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

..... गुण : ३

३. ''पुरुषोत्तम नारायण पृथ्वी पर साक्षात् प्रकट होंगे ।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

..... गुण : ३

४. ''वसिष्ठ ऋषि ऊँचे आसन पर बिराजमान होते थे, जब कि भगवान श्रीराम उनके समक्ष भूमि पर बिराजमान होते थे ।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

..... गुण : ३

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. २ निम्नलिखित विधानों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में) (कुल गुण : ६)

१. भगवानदास को नीलकंठवर्णी की भगवान के रूप में प्रतीति हो गयी ।

.....

.....

.....

.....

..... गुण : २

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-२		प्र-३	

२. लालजी सुतार ने लोजपुर का रास्ता पकड़ लिया ।

....

....

....

....

.... गुण : २ | |

३. तेलंग देश का धर्मिष्ठ राजा राक्षस बन गया ।

....

....

....

....

.... गुण : २ | |

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक [ ] **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. ३ निम्नलिखित प्रसंगों में से किसी <u>एक</u> प्रसंग के केवल पाँच मुख्य विधान लिखिए ।
(लगातार विवरण आवश्यक नहीं है ।) (कुल गुण : ५)

१. बोचासण में नीलकंठवर्णी ।   २. जांबुवान का कल्याण ।   ३. नीलकंठवर्णी तोताद्रि में ।

प्रसंग :

१. ....

....

२. ....

....

३. ....

....

४. ....

....

५. ....

....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक [ ] **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-४		प्र-५	

प्र. ४ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । (कुल गुण : ५)

१. सूतजी ने शौनकादि ऋषियों को भागवत की कथा कहाँ सुनायी ? गुण : १

.....

.....

२. नीलकंठवर्णी ने लक्ष्मणजी को रामचंद्र भगवान के रूप में कहाँ दर्शन दिए ? गुण : १

.....

.....

३. नीलकंठवर्णी ने सूर्यनारायण को प्रसन्न करके क्या माँगा ? गुण : १

.....

.....

४. शिव-पार्वती ने नीलकंठवर्णी को क्या जिमाया ? गुण : १

.....

.....

५. नीलकंठवर्णी कब लोज गाँव पधारे ? गुण : १

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. ५ निम्नलिखित वाक्यों में से सही और गलत वाक्य बताकर गलत वाक्यों को सुधारकर फिर से लिखिए ।(कुल गुण : ५)

१. नीलकंठवर्णी ने लोढवा में अपनी वाणी को शाप दिया । गुण : १

.....

२. गोपाल योगी ने नीलकंठवर्णी को पुलहाश्रम का मार्ग दिखाया । गुण : १

.....

३. जगन्नाथपुरी में भगवान श्रीकृष्ण की अस्थि पर विशाल मन्दिर बनाया हुआ है । गुण : १

.....

४. नीलकंठवर्णी ने सुखानंद स्वामी से कहा, ''इस दीवाल में यह जो गोखा है, वह एक दिन साधु के धर्म में छिद्र जरूर करेगा ।'' गुण : १

.....

५. नीलकंठवर्णी ने मोहनदास को विषैले फल खाने से रोका । गुण : १

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-६		प्र-७	

प्र. ६ निम्नलिखित विधानों में रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए । (कुल गुण : ४)

१. नीलकंठवर्णी ने ..... को अपने भविष्य का नाम सहजानंद कहा । गुण : १

२. नीलकंठवर्णी का रामानंद स्वामी के साथ प्रथम मिलन ..... के घर हुआ । गुण : १

३. नीलकंठवर्णी और मुक्तानंद स्वामी ने ..... के साथ रामानंद स्वामी पर पत्र भेजे । गुण : १

४. नीलकंठवर्णी ने ..... के मठ के महंतपद का त्याग किया । गुण : १

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

विभाग - २ : सत्संग वाचनमाला भाग - १

प्र. ७ निम्नलिखित विधान कौन, किसको और कब कहता है यह लिखिए । (कुल गुण : १२)

१. ''आज तुम को स्वस्थ कर दें, चलो मिल लें ।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

..... गुण : ३

२. ''इस स्वामिनारायण में तुमने क्या देख लिया कि भैंस भी चौक उठे ऐसा तिलक लगाकर घमंड में घूम रहे हो ।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

..... गुण : ३

३. ''मैं आजीवन ब्रह्मचर्य का पालन करके प्रभुभक्ति करना चाहती हूँ ।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

..... गुण : ३

४. ''कमलशी वांझा की चारपाई को झीणाभाई ने अपने कन्धों पर उठाया था, और जितने कदम वे चले थे, उससे दुगुने कदम हम उनकी अर्थी अपने कन्धों पर ऊठाकर चले हैं ।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

..... गुण : ३

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-८		प्र-९	

प्र. ८ निम्नलिखित विधानों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में) (कुल गुण : ६)

१. देवानंद स्वामी के कीर्तन-पद 'चाबखा' नाम से प्रसिद्ध हैं ।

.....

.....

.....

.....

..... | गुण : २ |

२. झीणाभाई ने अदीबा के साथ बोलना बंद कर दिया ।

.....

.....

.....

.....

..... | गुण : २ |

३. श्रीजीमहाराज ने शुकमुनि को सुखड़ी के दातुन करवाए ।

.....

.....

.....

.....

..... | गुण : २ |

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. ९ निम्नलिखित वाक्यों में से विषय के अनुरूप केवल <u>पाँच</u> सही वाक्य ढूँढ़कर सिर्फ़ उसके क्रमांक लिखें । (कुल गुण : ५)

विषय : साधु यज्ञप्रियदास

१. आशाभाई और ईश्वरभाई दोनों भाई वडोदरा के पास साधी गाँव के रहेनेवाले थे । **२.** साधु धर्मनंदनदास के पास आशाभाई ने पंच व्रत पालन की दीक्षा ली । **३.** आशाभाई ने साधी में अपनी जमीन पर हरिभक्तों को बुलाकर सबको होला खिलाने का संकल्प किया । **४.** कोयली में शास्त्रीजी महाराज को हाथी की अंबारी पर बिठाकर सामैया किया । **५.** रढु में अचानक रुई में जलती हुई दियासलाई पडी और आग लग गई । **६.** आशाभाई का बड़ा लड़का देसाईभाई सर्पदंश के कारण धाम में गया । **७.** शास्त्रीजी महाराज की अस्सीवीं जन्मजयंती अटलादरा में और पचासीवीं जन्मजयंती बोचासण में मनायी गयी । **८.** ७० वर्ष की वय में आशाभाई ने आचार्य कुंजविहारीप्रसादजी के वरद कर कमलों से भागवती दीक्षा ली । **९.** यज्ञप्रियदास धीरे धीरे 'मोटा स्वामी' के दुलारे नाम से पुकारे जाने लगे । **१०.** १९ वर्ष तक त्यागाश्रम में अविरत सेवा करके उन्होंने अपनी लीला समाप्त की । **११.** तुम्हारे बुध्धि, ज्ञान और कार्यशक्ति - ये गुण काषाय वस्त्र में ही चमकेंगे ।

केवल क्रमांक - ☐ ☐ ☐ ☐ ☐

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-१०	

प्र.१० निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । (कुल गुण : ५)

१. श्रीजीमहाराज ने अपनी मूर्ति कहाँ और किस नाम से स्थापित की ? | गुण : १ |

.....

.....

२. श्रीजीमहाराज डभाण की कौन सी तीन चीजों की प्रशंसा करते थे ? | गुण : १ |

.....

.....

३. शास्त्रीजी महाराज ने जेठाभाई को अक्षर-पुरुषोत्तम का सिद्धांत किस ग्रंथ में से प्रमाणित कर दिखाया ? | गुण : १ |

.....

.....

४. जीवुबा के अन्य तीन नाम लिखिए । | गुण : १ |

.....

.....

५. श्रीजीमहाराज ने डभाण में कब यज्ञ किया ? | गुण : १ |

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

विभाग - ३ : निबंध

प्र.११ निम्नलिखित किसी <u>एक</u> विषय पर करीब ३० वाक्यों में निबंध लिखिए । (कुल गुण : १०)

१. 'दूसरे के सुख में अपना सुख' - प्रमुखस्वामी महाराज की जीवन भावना । २. नीलकंठवर्णी की निर्भयता ।
३. कीजिए धून.... ! योगीजी महाराज ने दिया प्रार्थना से रिश्ता ।

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें